

Name :
नापेन्द्र चन्द्र देव शर्मनः
Wife : लक्ष्मी देवी
Born: July 27th, 1966
at 6:37 AM
 at the house of Late Nagen Sarma, A rice farmer.
Tithi: Shukla Dashami,
Srawan Month
Place: Sarbaibandha
 (not Shambhala), Jorhat, Assam, India
Gowtra: Garga Rishi



(creator of silver coin / money)
DESTROYER of PAPER Currency

Childhood City: Ulubari, Guwahati for year 0 - until July 1985 = 19 Years
Education : Chemical Engineering, REC, Srinagar, J&K until December 1989 = 4 ½ years
Profession :
 1. NF Railway Bongaigaon 1991 May – 1992 , Dangtola, Bongaigaon, Assam = 9 Month
 2. APCB, Govt of Assam, Melachakar, Sibsagar, Assam 1992 = 3 Month
 3. Indian Oil – Digboi Refinery, Assam October 1992 – 1993 August =10 Month

United States of Satanic Demonic Pornographic Amerika
arrived on : 27 th Aug 1993, **in Chicago IL – home of CME Group !**

Married : 1996 December
 / ceremony April 1997
Left United States 5th December 2018
Mother : Usha Barthakur (बिबजा देवी)
Father : Late Naba Kumar Barthakur (सोनांधब देव शर्मा)

(Narayan Bhakta) Built and Donated Laksmi-Narayan Mandir,
 ASEB road, Ulubari, Guwahati 781 007 **India**

में कल्कि नहीं हूँ
 कल्कि आ चूका और कुछ नहीं कर पाया !
 इसीलिए , में आया हूँ
 मैं कल्कि का पिता हूँ
 तथा चाणक्य का नाना हूँ
 में कुछभी बन सकता हूँ ...
कल्कि चाहिए या नृपेन ?
 अगर मैंने दूसरा विवाह कर ली तो में नारायण का १०म अवतार कल्कि बन जाऊंगा - जिस से सबलोग डरते हैं, और डरते रहेंगे। अगर मैंने दूसरा विवाह नहीं की तो में देवो का देव महादेव बन जाऊंगा - जो सब से प्यारा भोला हूँ, और वह बहुत दयालुभी हूँ। ये आप का निर्णय - विवाह करू या न करू ? कल्कि चाहिए या नृपेन ?

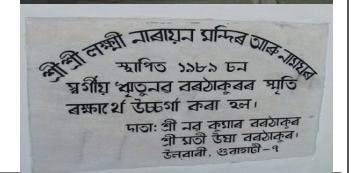
Barthakur.com

Bubbatube.barthakur.com
The Truth Speaker



DRIVES /RIDES a WHITE MULTIPLE HORSE POWERED SEDAN / CAR !
Web link: [The Apocalyptic White Horse Rider](https://www.youtube.com/watch?v=...) ||||| **Any Language Translation is also Available**
 कृष्णा अष्टमी - जन्माष्टमी - अष्टम अवतार - काला अंधकार कली का आगमन। शुक्ला दशमी - दशम अवतार - तमाशो माँ ज्योत्रि गमय -

सत्य युग का आगमन। **असतो मा सद्गमय ::** करता मत बनो, कर्म करो !



धर्म किया है ? घ = बुद्धि म = में , मैं बुद्धिमान हूँ । पृथ्वी समतल खेत हैं, गोलक नहीं हैं - वही परम सत्य हैं । सत्य का तारीख था : २६ जुलाई २०१४, साम को ३ बजकर १८ मिनट।

गीता में एक ही अध्याय हैं, जहाँ केवल श्री भगवानुवाचे, गीता अध्याय - १६ । उच मे मनुस्य के लिए परम ज्ञान हैं। आसुरिक सम्पद त्याग करे और, कल्कि की कृपा पाने के लिए जो करना हे, अभी करे। कल्कि प्रकट होनेका बाद सभी चेस्टा बिफल होंगे। जो क्षमा नहीं करता, वही कल्कि है।

में दो शादी करने वाला कल्कि नहीं हूँ , में केवल पारवती पति हूँ ... ईशान कोण वाला



ना सम्मान का मोह, ना अपमान का भय - में तो वैरागि



में ही भगवान हूँ । अगर किसी को अपने बारे में पता नहीं , उनके लिए भी हूँ !

मानो तो भगवान, नमानो तो पाषाण ।
मानो तो महासेन, नमानो तो नृपेन ॥